हाथी का नृत्य
भारत की एक यात्रा

# हाथी का नृत्य

## भारत की एक यात्रा

# हाथी का नृत्य

## भारत की एक यात्रा

जब दादा जी भारत से आये तब बहुत ठंड थी.
अंजली ने उनके लिए ऊन का एक गुलूबंद बनाया.
रवि उनके लिए रोयेंदार चप्पल लाया.
“दादा जी, क्या भारत में बहुत गर्मी होती है?” रवि ने पूछा.

“हाँ रवि, सच में,” दादा जी ने कहा.
“वहां सूर्य बहुत ही गर्म होता है,
सौ चूल्हों से भी अधिक गर्म.
भोर होते ही आकाश में वह एक लाल गेंद जैसा दिखता है
फिर धीरे-धीरे घूमता हुआ ऊपर आता है और
भयंकर बाघ समान उग्र हो जाता है!
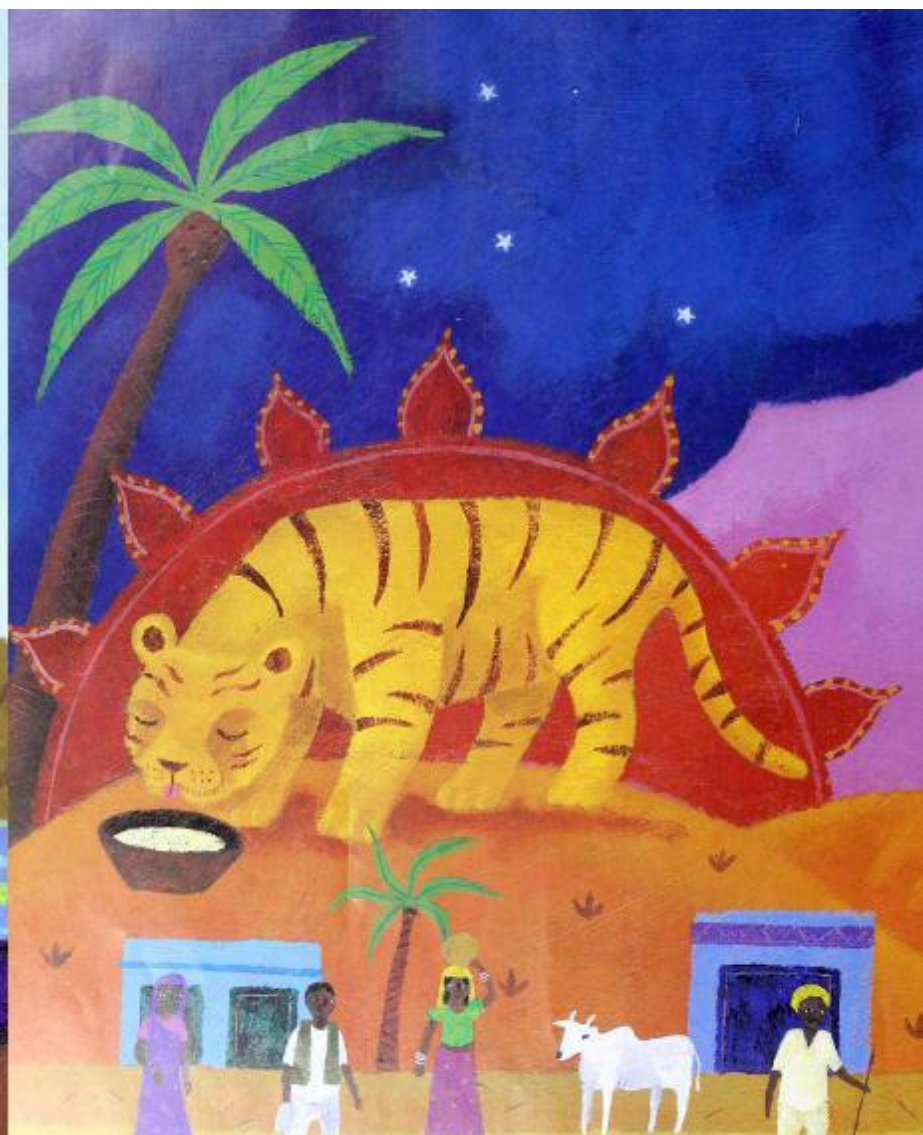
“रात के समय वह लाल मिर्चें खाता है
इसलिए दिन में वह बहुत
उत्तेजित और प्यासा होता है.
सारा दिन वह गरजता और दहाड़ता है.
संध्या के समय जब आकाशगंगा में तारे
टिमटिमाने लगते हैं, वह एक कटोरा
कोकोनट मिल्क पीता है
और फिर सो जाता है.”

दादा जी सबके लिए उपहार लाये थे:
माँ के लिए एक नीली साड़ी,
पिता के लिए चन्दन की लकड़ी का बना एक डिब्बा,
अंजलि के लिये चाँदी की चूड़ियाँ,
और रवि के लिए एक लाल और सुनहरी रंग की पतंग.

पतंग लेकर दादा जी और रवि पार्क में आये.
“दादा जी,” रवि बोला, “भारत में हवा कैसी होती है?”
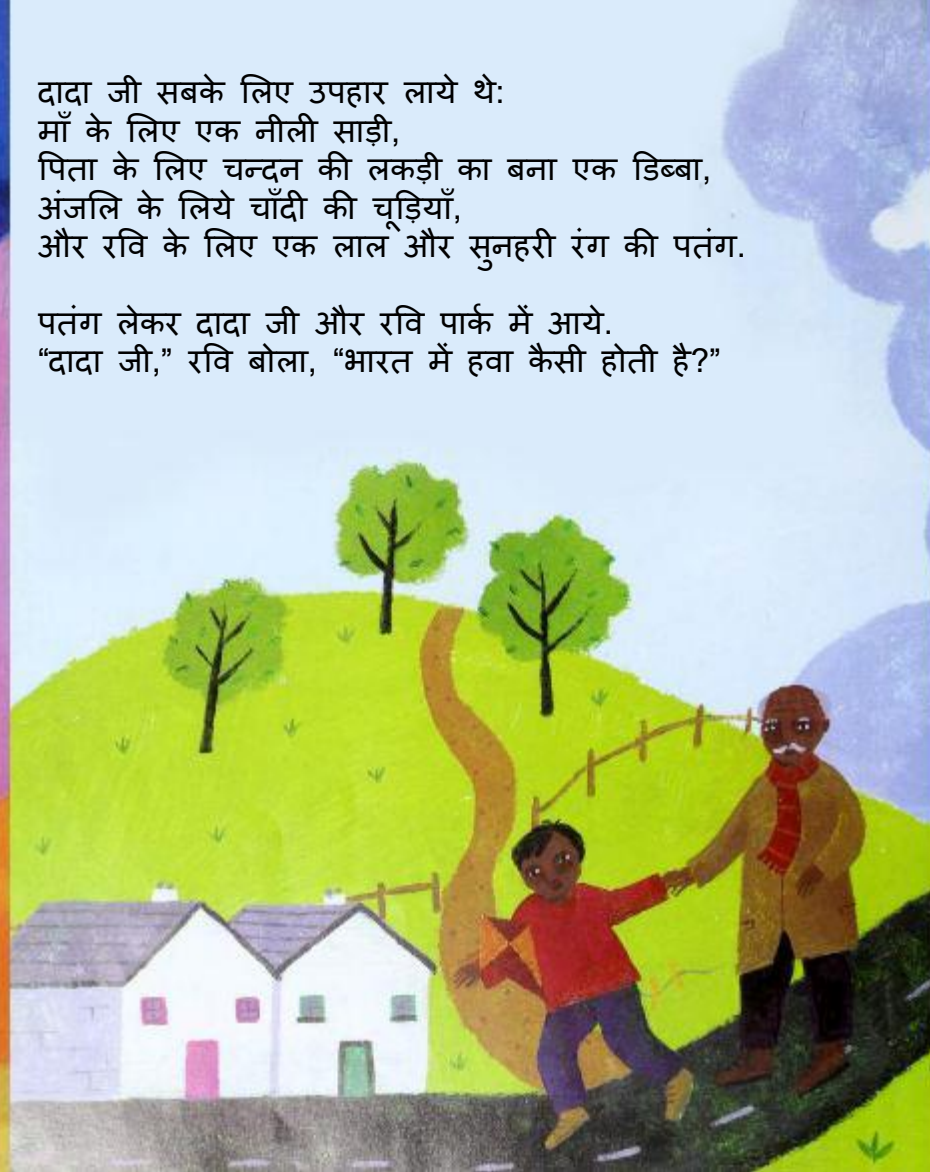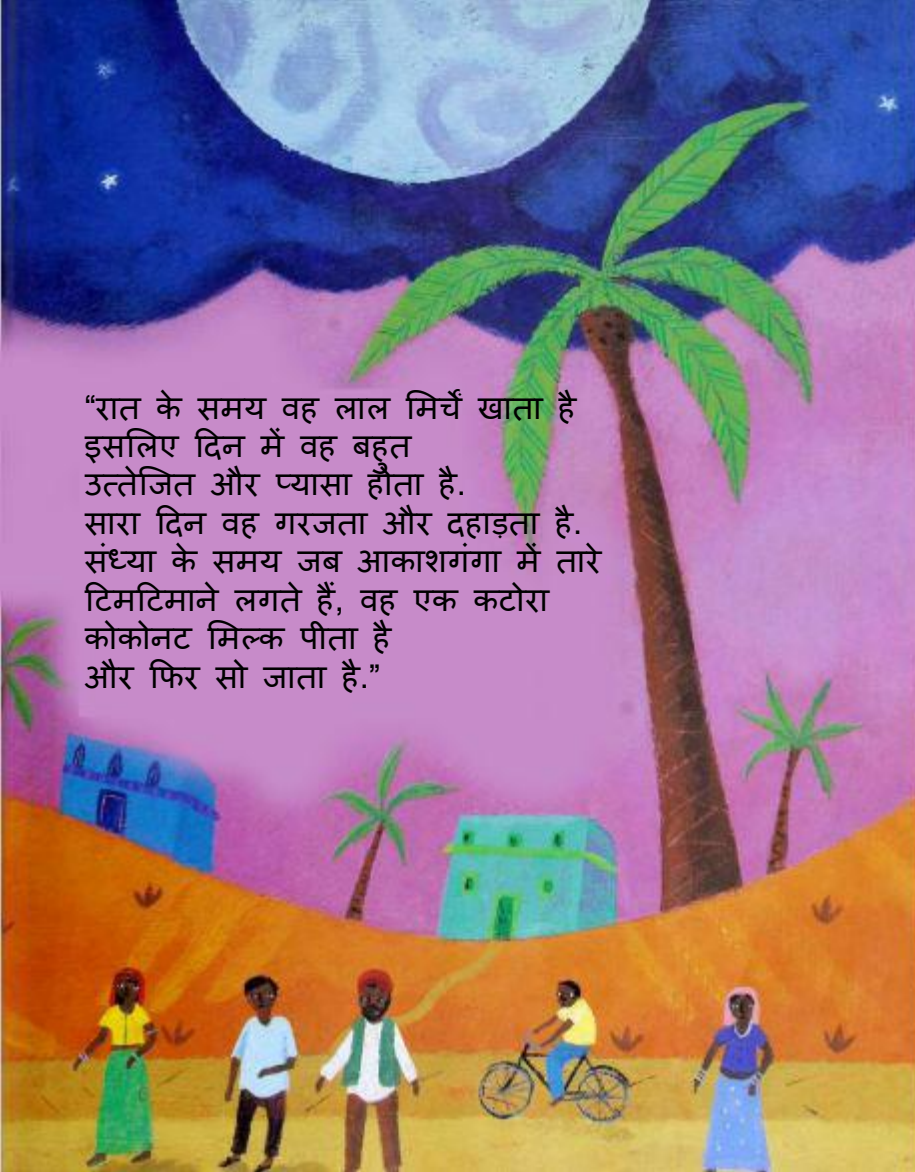
"रवि, जब पश्चिम के रेगिस्तान की ओर से हवा आती है
तब वह बहुत तेज़ी गति से चलती है. एक जंगली घोड़े
समान,
वह फुफकारती है, पाँव पटकती है. वह बच्चों की पतंगे
छीन लेती है
और पहाड़ों के ऊपर उड़ा कर उन्हें सागर की ओर
ले जाती है.

"कभी-कभी हवा धीमे से चलती है.
पेड़ों के बीच से थरथराती हुई निकलती है,
पत्तों को शांत करती हुई उन्हें सुला देती है."
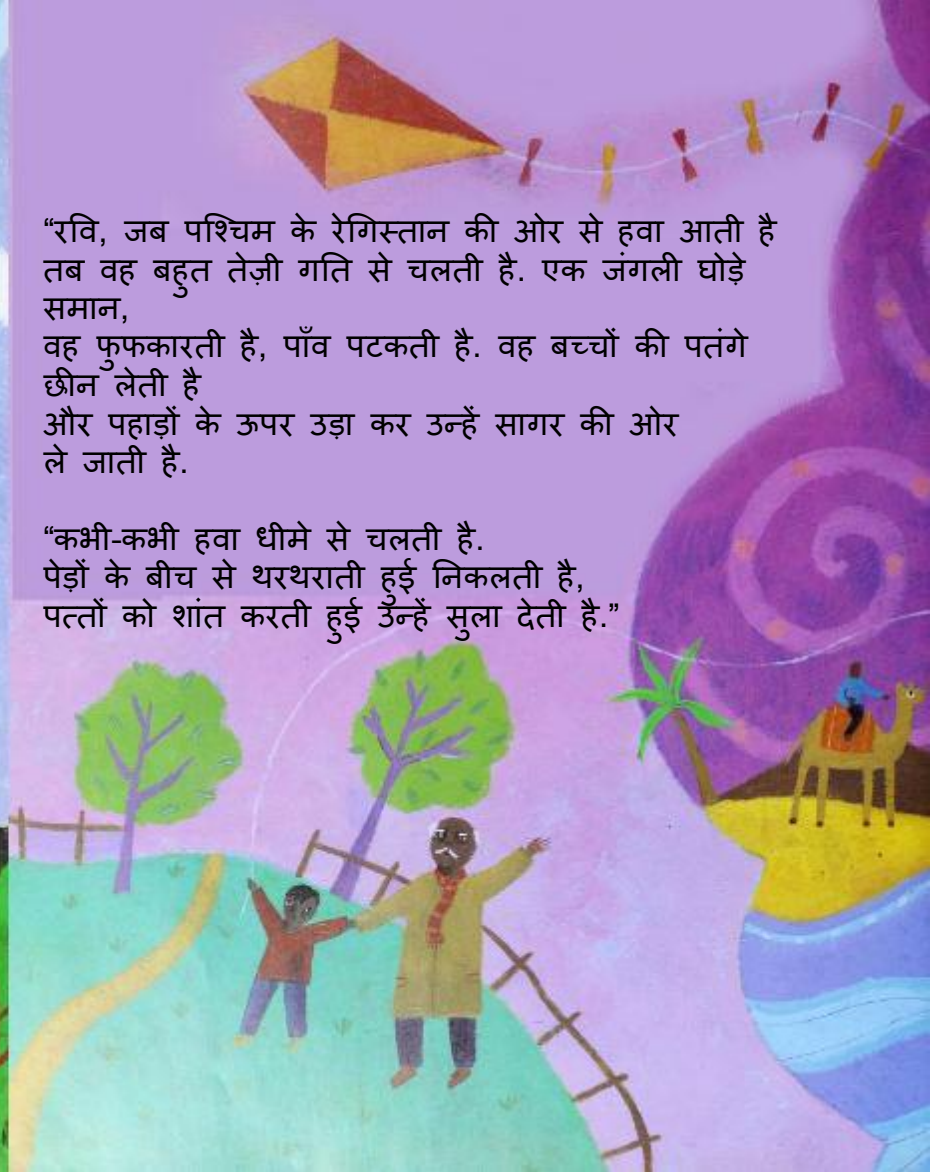
“वहाँ की वर्षा कैसी होती है?” वह पेड़ों के नीचे आये तो रवि ने पूछा.
“मानसून में वर्षा की बौछारें इतनी तेज़ होती हैं कि
चाँदी के परदे समान लगती हैं. अंजली की चाँदी की चूड़ियों जैसी
सफ़ेद, पानी की बौछारें आकाश से ऐसे गिरती हैं
जैसे झरना बह रहा हो और
धरती पर कई दर्पण से चमकने लगते हैं.
छोटी, उज्जवल मछलियों समान वर्षा की बूँदें
यहाँ-वहाँ भागती हैं.
जब इन बूंदों से सूर्य का प्रकाश मिलता है
तो एक इन्द्रधनुष बन जाता है और
आकाश में एक तरफ से दूसरी तरफ
फ़ै.....ल
जाता है.”
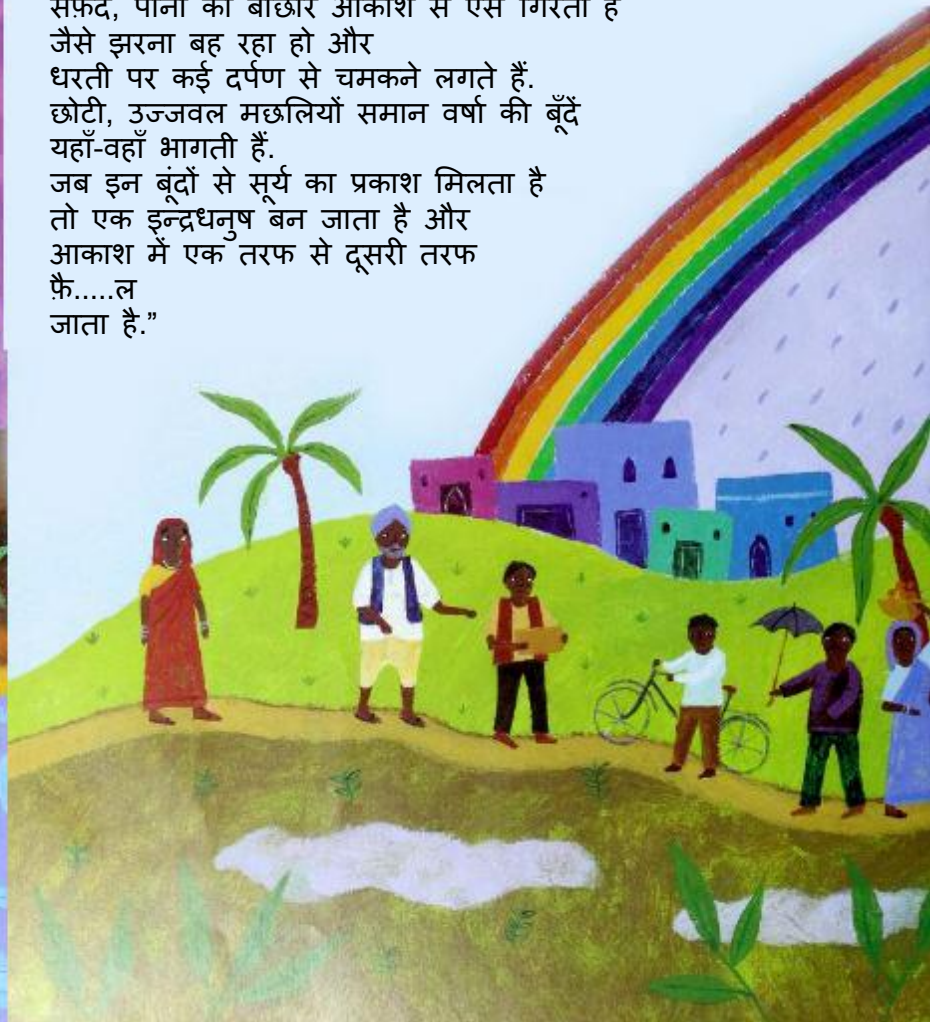
“क्या वह वैसा ही होता है जैसा इंद्रधनुष
मुझे यहाँ दिखाई देता है?” रवि ने पूछा.
“भारत का इंद्रधनुष, रवि बेटा,
उन सात रेशमी साड़ियों जैसा होता है
जिन्हें सुखाने के लिए आकाश में
एक छोर से दूसरे छोर तक लटका दिया गया हो;
तरबूज़ की तरह लाल,
मसूर दाल की तरह नारंगी,
केसर की तरह पीली,
तोते की तरह हरी,
किंगफ़िशर की तरह नीली,
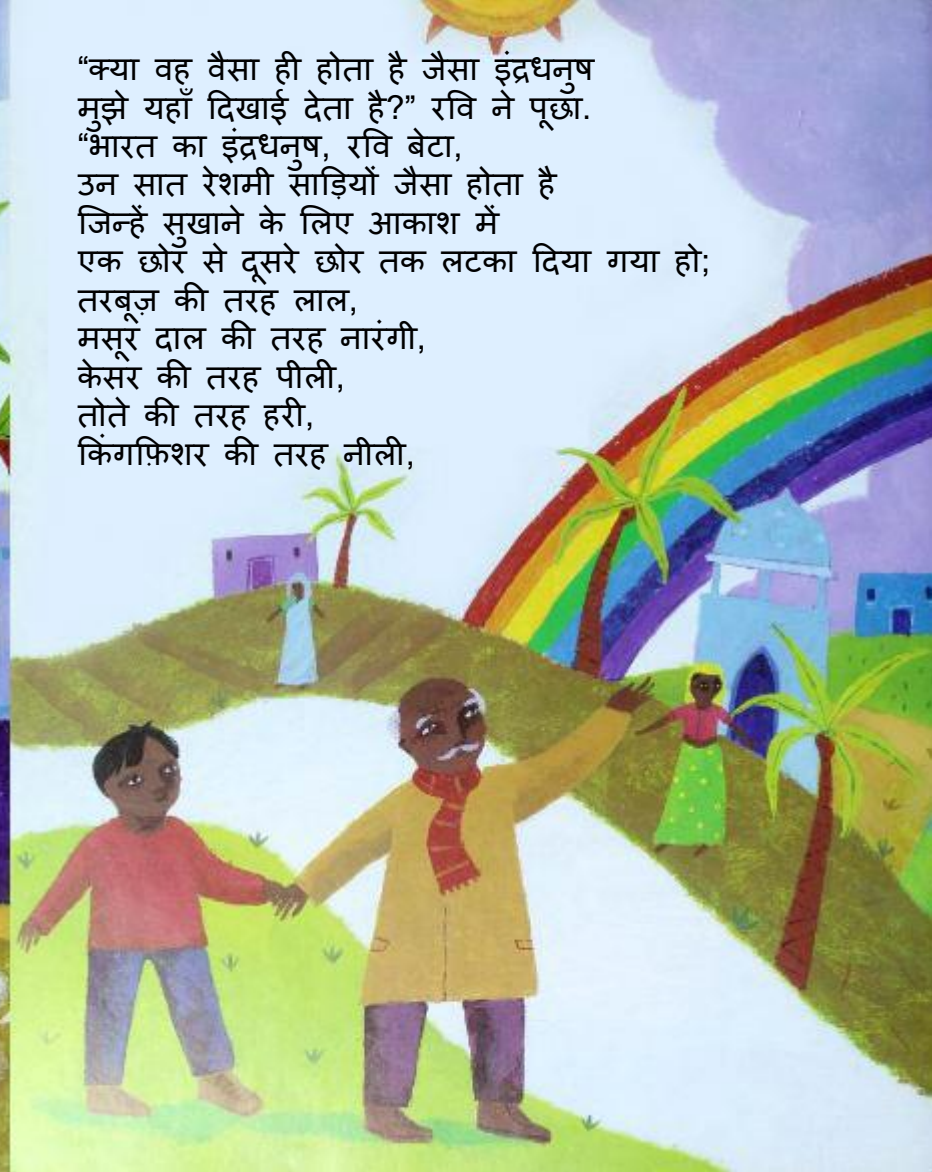
गहरे सागर की तरह गहरी नीली,
और मेघगर्जन से पहले जैसा
तूफानी आकाश होता है वैसी बैंगनी."
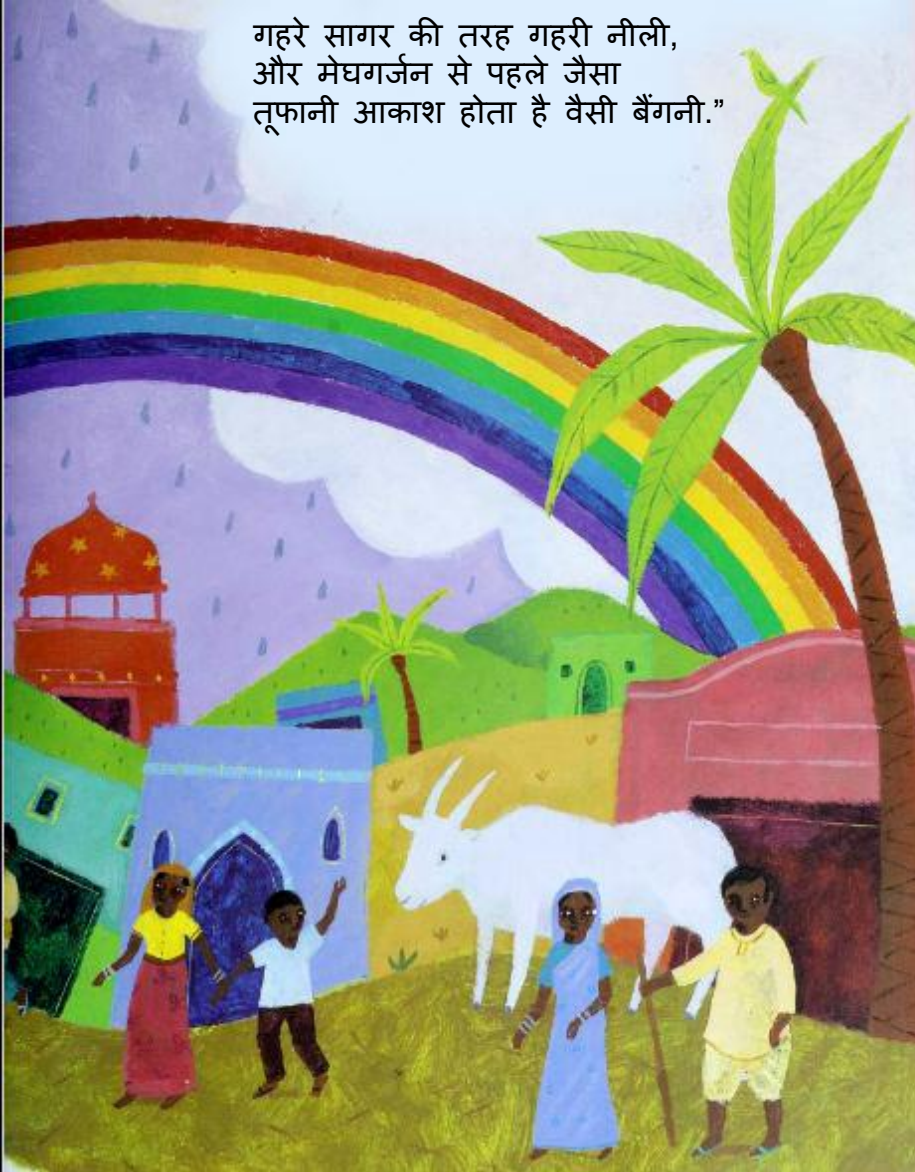
रवि दादा जी के साथ सामान लेने बाज़ार गया.
उन्होंने घी और अदरक
और मछली और मसूर की दाल

और दही और खीरा खरीदा.
रवि के लिए एक बांसुरी ली.

“क्या भारत में बर्फ गिरती है, दादा जी?” रवि ने पूछा.
“हाँ, रवि. उत्तर में विशाल हिमालय पर्वत हैं.
उन पर्वतों की चोटियों पर आइस क्रीम
जैसे सफ़ेद और ठंडी बर्फ होती है.
बर्फ पर्वतों की चोटियाँ को ठंडा रखती है,
तब भी जब सूर्य बाघ समान दहाड़ता है.”
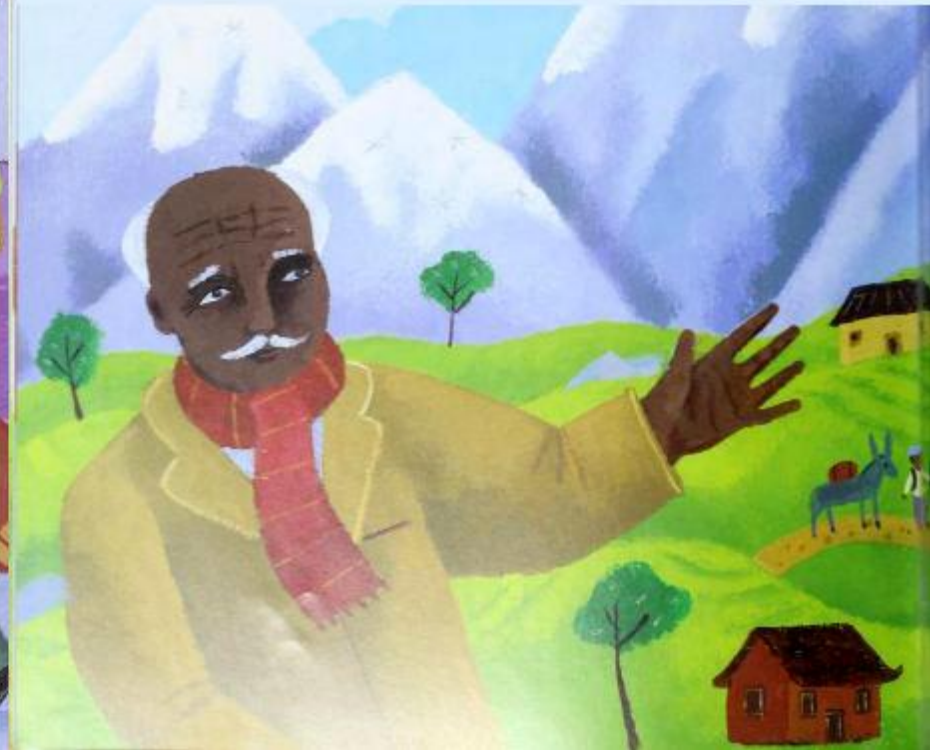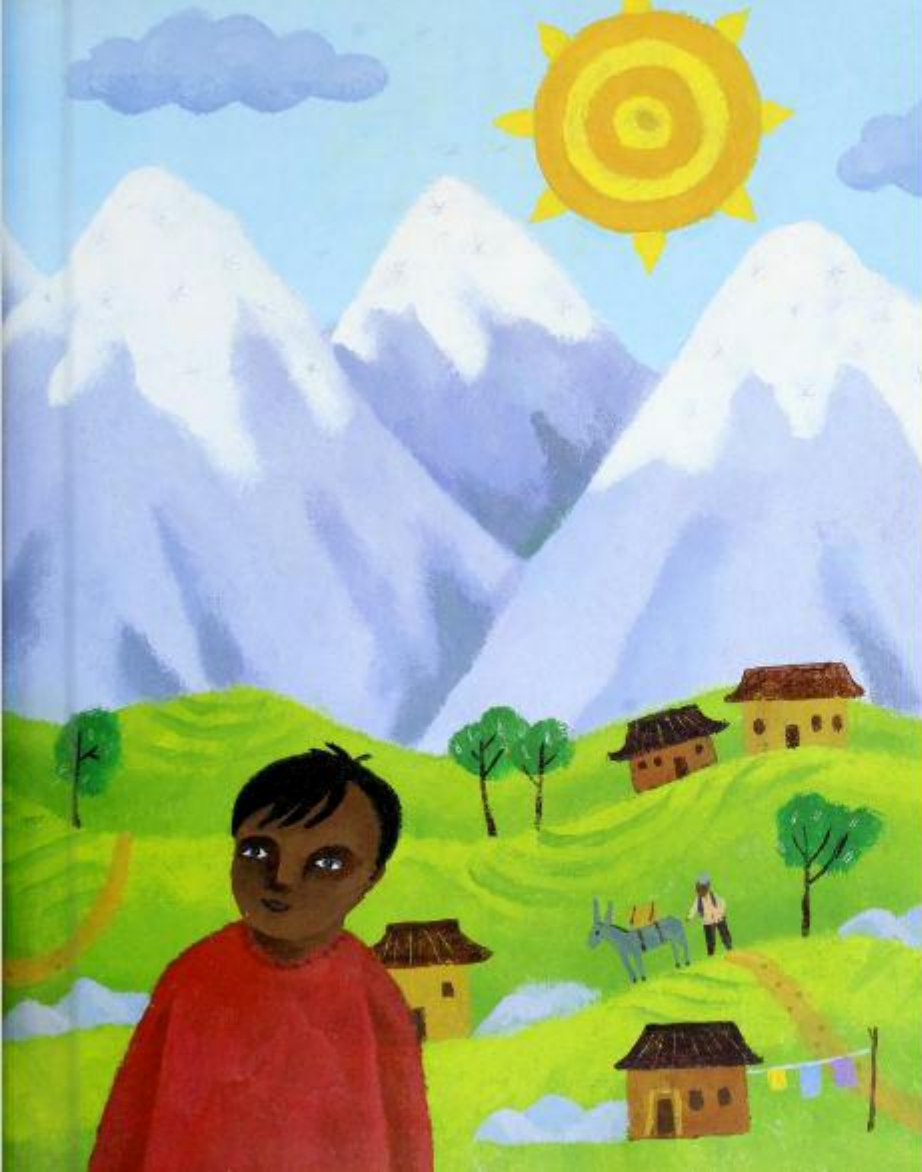
खाने का समय हुआ तो रसोईघर स्वादिष्ट ख़ुशबुओं से भर गया.
माँ और अंजलि ने इलायची और लौंग मिलाकर दाल पकाई.
उन्होंने घी में मछली और प्याज़ को तला.
पिता ने हल्दी, जीरे और धनिये को पीस कर दही में मिला लिया और उसे मछली पर लगाया.

अंजली चावल लेकर आई और
रवि ने मेज़ पर प्लेटें वगैरह
सज़ा कर रख दीं.
वह सब बैठ कर खाने लगे.
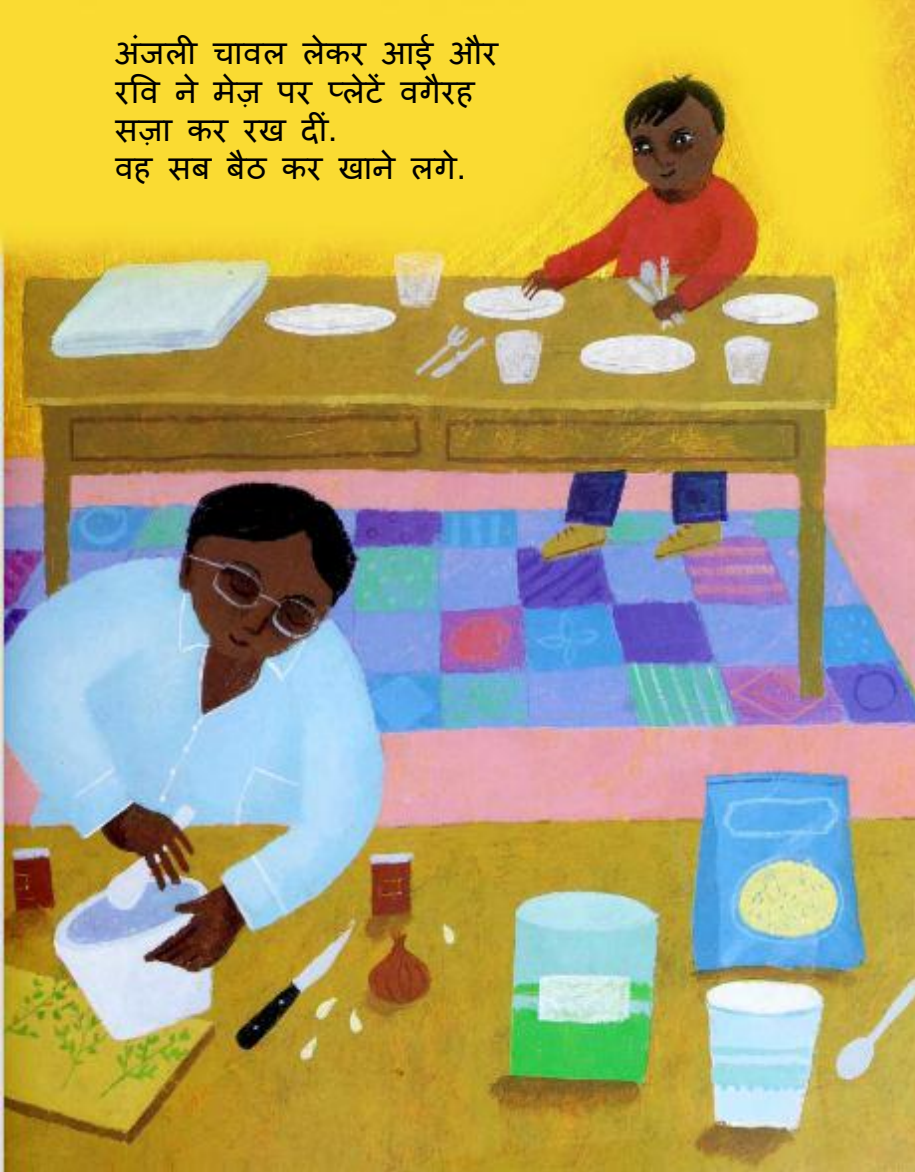
“दादा जी,” रवि ने पूछा, “क्या आप बहुत वृद्ध हैं?”
“चुप, रवि,” माँ बोलीं.
लेकिन दादा जी हंस दिए, “हाँ, रवि बेटा.
जैसा कि तुम देख ही रहे हो मैं बूढ़ा हूँ
और बगीचे की मिट्टी समान भूरे रंग का हूँ

और मेरे चेहरे पर अखरोट समान झुर्रियां हैं.
मेरे दाँत भी कम है और मैं ठीक से
खाना भी नहीं चबा सकता.
लेकिन जो कुछ मेरे पास है मैं उससे संतुष्ट हूँ."

"क्या अपने कभी हाथी देखा है, दादा जी?" अंजली ने पूछा.
"बेशक, मैंने देखा है." दादा जी बोले.
"जब मैं तुम्हारी और रवि की तरह बच्चा था
मैंने दीवाली के त्यौहार पर हाथियों को
शोभा-यात्रा में चलते देखा था.
रेशम से सजे उनके हौदे मोर की तरह नीले रंग के थे.
उन हाथियों पर राजकुमार बैठे थे.
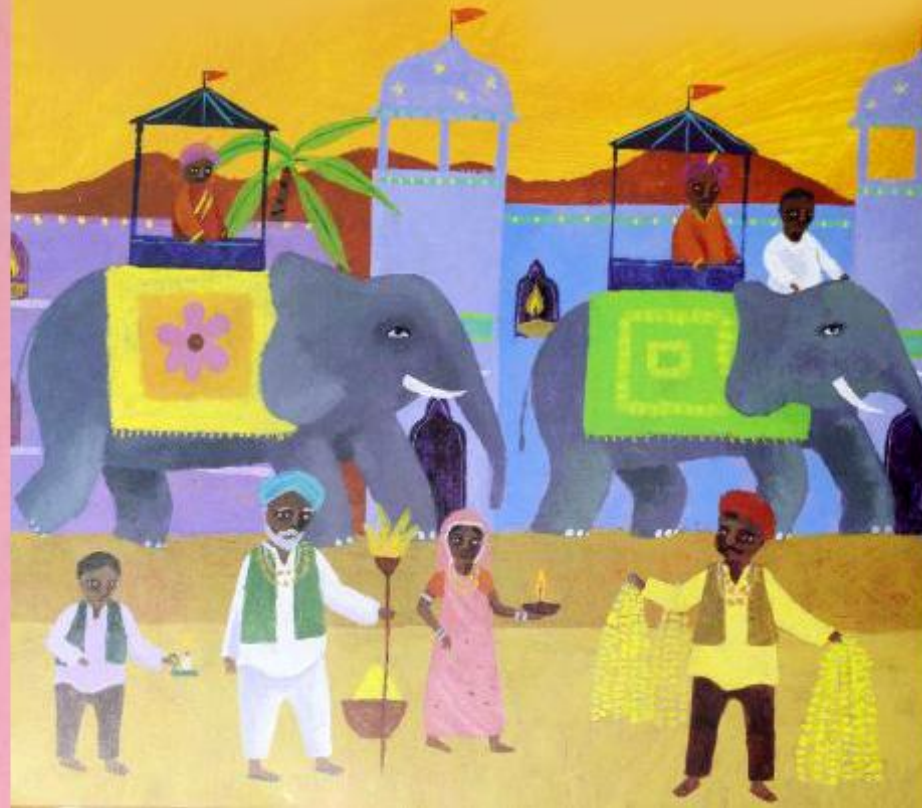
“रास्तों पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो रखी थी
और हर जगह फूल दिखाई दे रहे थे;
चमेली के फूलों की मालाएँ, मोर्निंग ग्लोरी के फूल,
हिबिस्कस की कलियाँ, दूधिया और लाल और पीली,
जिन्हें हम ने अपने कानों के पीछे लटका रखा था.
हमने नारियल और बादाम की बनी चिपचिपी मिठाइयाँ खायीं.
रास्तों पर पटाखे चलाये.
घंटियों और घड़ियालों की झंकार और
बजते हुए ढोलों की आवाज़ चारों ओर गूँज रही थी.”
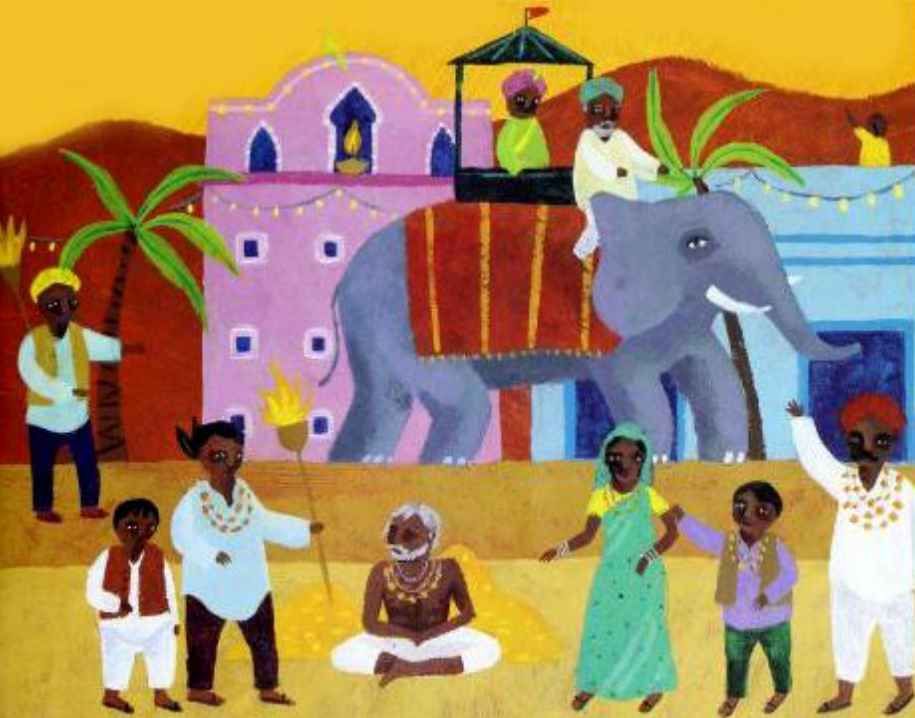
रवि ने अपनी बांसुरी निकाली और उसे बजाने लगा.
“यह है मेरा हाथी का नृत्य, दादा जी,”

दादा जी मुस्कराये, “यह तो सबसे बढ़िया नृत्य है.
तुम्हें इसका खूब अभ्यास करना चाहिये
और शायद एक दिन कोई हाथी
तुम्हारे लिए नृत्य करे.”

खाने के बाद अंजली ने अपने रंग और ब्रश निकाले. फिर उसने और
रवि ने और दादा जी ने मिलकर भारत का एक नक्शा बनाया.
“भारत का आकार,” दादा जी ने कहा, “हाथी के एक कान जैसा है.”
उन्होंने उस नक्शे में बाघ और मोर और मगरमच्छ
और हाथी और सांप और बंदरों के चित्र बनाए.

उन्होंने विशाल नदी गंगा और बर्फ
से ढकी हिमालय की चोटियों बनाईं.
उन्होंने पश्चिमी रेगिस्तान और
पूर्व के हाथियों के जंगल बनाये
और दक्षिण में विशाल
बाघ के रूप में सूर्य का चित्र बनाया.
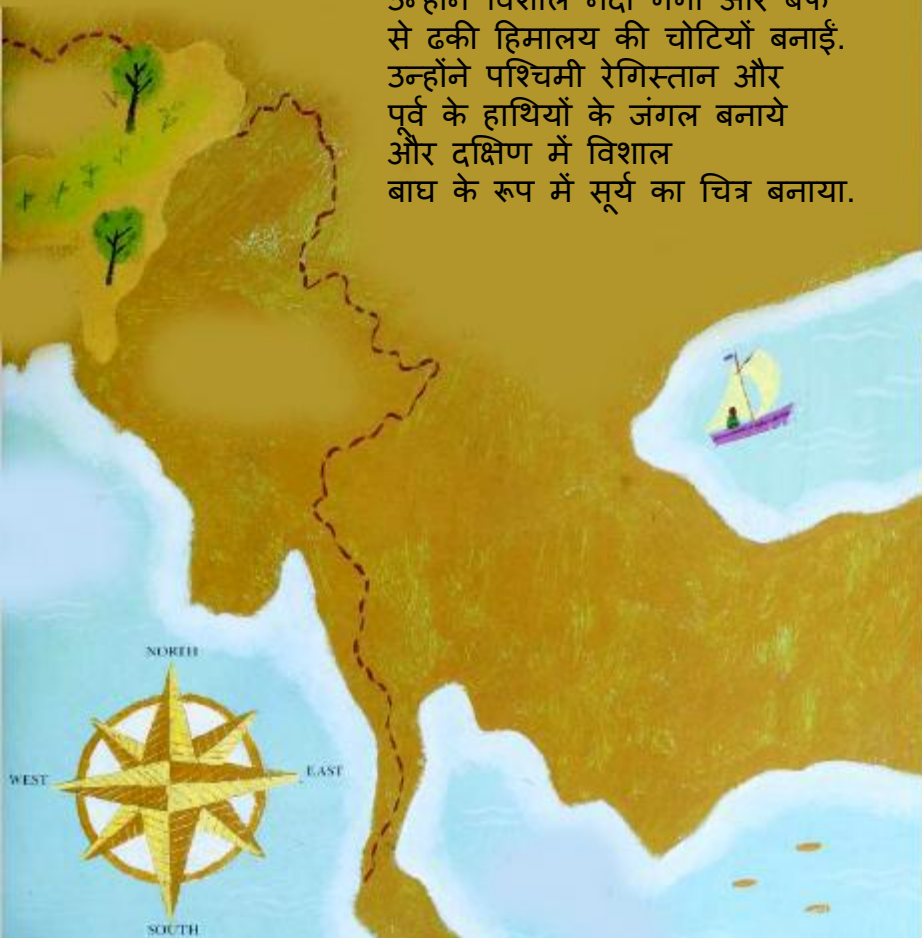
“दादा जी,” बिस्तर में लेटते हुए रवि ने कहा.
“क्या आप मुझ से प्यार करते हैं?”
दादा जी ने रवि को बाहों में भरते हुए कहा,
“रवि बेटा, तुम तो एक नवजात शिशु समान स्नेही हो,
चम्पा के फूल समान कोमल हो,
आम के रस समान मधुर हो और
मैं तुम्हें बहुत प्यार करता हूँ.
अब सोने का समय हो गया है.”
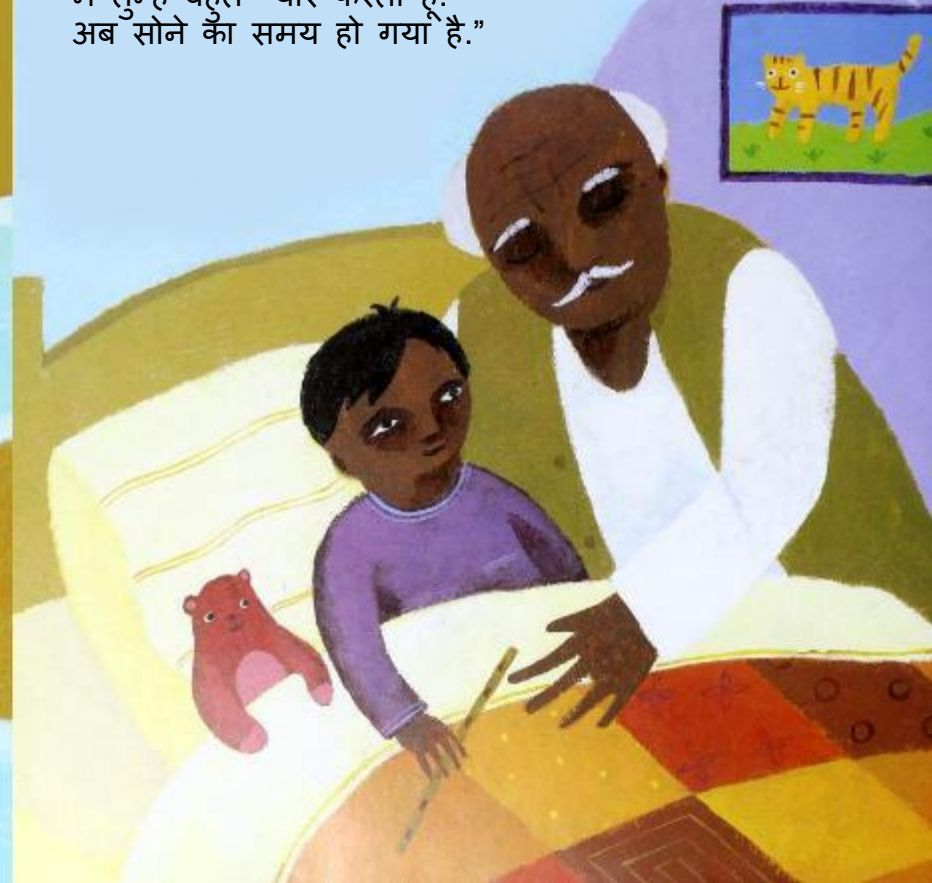
रवि सो गया और नींद में उसने
एक हरे-भरे जंगल का सपना देखा,
जहां श्वेत नदी पर चाँदनी फैली थी,
रात के अँधेरे में घास के भीतर खड़ी एक विशाल
आकृति अपना सिर और अपने पाँव हिला रही थी.

रवि ने अपनी बांसुरी होंठों पर लगाई
और जैसे ही उसे बजाने लगा
उसने एक हाथी देखा
जो चुपचाप नृत्य कर रहा था.
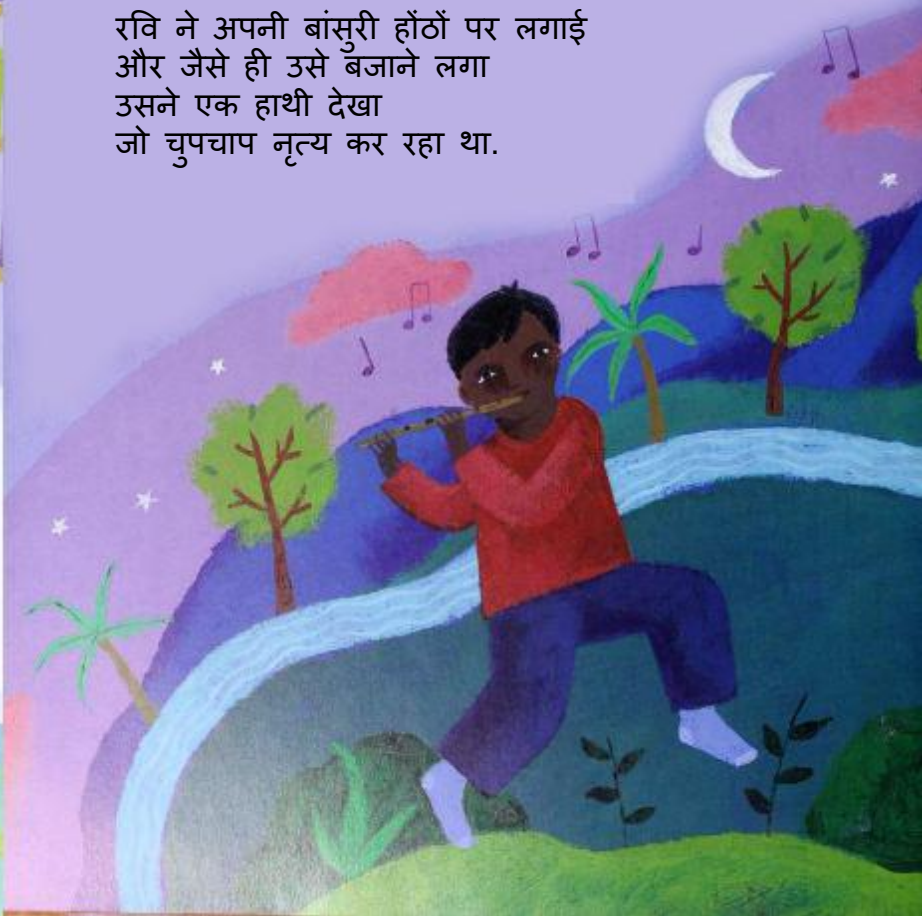
# भारत के विषय में

## भूगोल

भारत एशिया के दक्षिण में स्थित है और भारतीय उपमहाद्वीप का अधिकाँश भाग भारत में है. यह संसार का छठा बड़ा देश है. इसकी जन-संख्या एक अरब से अधिक है.

भारत में मुख्यता तीन मौसम हैं. यह मौसम एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में थोड़ा अलग होते हैं. सर्दी का मौसम दिसम्बर से फरवरी तक होता है. मार्च से लेकर मई तक मौसम शुष्क और गर्म रहता है. जून में मानसून की वर्षा शुरू हो जाती है, तब लगभग सारे देश में बहुत वर्षा होती है. जून से लेकर सितम्बर तक मानसून दक्षिण की ओर जाता है.

हिमालय में पर्वतों की कई श्रृंखलायें हैं जो भारत से लेकर भूटान, नेपाल और तिब्बत तक फैली हैं. संसार की सब से ऊंची चोटियाँ, एवेरेस्ट, के-2 और कंचनजुंगा, हिमालय में ही हैं.

संसार की कई बड़ी नदियाँ जैसे गंगा, यमुना और सरस्वती भारत में हैं. कई हिन्दू ग्रन्थों में गंगा का उल्लेख है और हिन्दुओं के लिए इस नदी की बहुत धार्मिक महत्ता है. इसके जल में बच्चों का नामकरण किया जाता है. हज़ारों लोग इसका जल पीने और इसमें स्नान करने आते हैं. सरस्वती अब सूख चुकी है लेकिन पुरातन काल में यह एक विशाल नदी थी.

गेहूँ, कपास और चावल का उत्पादन करने वाले प्रमुख देशों में भारत भी है. उत्तर भारत में लोगों का मुख्य आहार गेहूँ ही है जबकि पूर्व और दक्षिण में लोग अधिकतर चावल ही खाते हैं. भारत के मुख्य नगर हैं नई दिल्ली, जो देश की राजधानी है, मुंबई, कोलकत्ता और चेन्नई.

## धर्म और संस्कृति

इस कहानी का परिवार हिन्दू है. हिन्दू धर्म देश का प्रमुख धर्म है. इस धर्म का मानना है कि ईश्वर एक है पर वह अनेक रूप धारण करता है. अधिकतर हिन्दू ब्रह्मा, विष्णु और महेश, जिन्हें त्रिमूर्ति कहा जाता है, की आराधना करते हैं. हिन्दू अपने भगवानों की मूर्तियाँ बना कर पूजते हैं. पूजा करते समय वह मूर्तियों को दूध से नहलाते हैं, उन्हें फूलों से सजाते हैं. इस्लाम, सिख, बुद्ध, जैन, ईसाई, पारसी, यहूदी धर्म के मानने वाले भी भारत में रहते हैं.

हिन्दू धर्म में कई त्यौहार हैं जो सौर कैलेंडर के बजाय चन्द्र कैलेंडर के अनुसार मनाये जाते हैं. लोग इन त्यौहारों को बड़ी प्रसन्नता और उत्साह से मनाते हैं. लोग स्वादिष्ट व्यंजन और मिठाइयां बनाते हैं और परिवार के लोग अपने मित्रों के संग मिलकर खुशियाँ मनाते हैं.

हिन्दुओं का मुख्य त्यौहार दीवाली है, जिसे प्रकाश-उत्सव भी कहते है. उस दिन लोग लक्ष्मी की पूजा करते हैं और अपने घरों में दीपक जलाते हैं. यह त्यौहार राक्षस-राज रावण पर विजय पाकर और अपना लंबा वनवास पूरा कर, श्री राम का अयोध्या लौटने की ख़ुशी में भी मनाया जाता है.
भारत का राष्ट्रीय फूल कमल है. यह सुंदर फूल उथले पानी में खिलता है और इसके पत्ते और पंखुड़ियां पानी पर तैरती रहती हैं.

भारत की सांस्कृतिक विरासत बहुत ही समृद्ध है. संसार के सात अजूबों में से एक, ताज महल, भारत में है. यह सुंदर मकबरा मुग़ल सम्राट शाहजहाँ ने बनवाया था. इसे बनाने में बाईस वर्ष लगे थे और यह एक विश्व प्रसिद्ध स्मारक है.

### भारत का हाथी

शताब्दियों से हाथी भारत का प्रतीक रहा है. यह अफ्रीका के हाथी से छोटा होता है और इसे सरलता से पालतू बनाया जा सकता है. यह बहुत बुद्धिमान होता है. गर्मियों में अपने शरीर को ठंडा रखने के लिए यह अपने बड़े-बड़े कान पंखे की तरह झलता है और अपने सूंड में पानी भरकर अपने ऊपर डाल लेता है. हाथी शाकाहारी होते हैं. यह ढेर सारे पौधे और फल खाते हैं. लेकिन इन्हें सबसे अच्छे लगते हैं मिट्ठे फल जैसे कि आम, नारियल और गन्ना.
स्वतंत्रता से पहले जब भारत कई राज्यों में बंटा हुआ था, उस समय राज परिवारों के सदस्य हाथियों पर सवारी करते थे. हाथियों से जंगलों में भी काम में लिया जाता था.

और आज भी शिकारियों का सामना करने के लिए हाथियों का उपयोग होता है. हाथी मंदिरों में देखे जा सकते हैं. त्यौहारों और विवाहों में भी हाथी काम में लाये जाते हैं. जिस "हौदे" की बात इस कहानी में की गई है वह एक डिब्बा नुमा कुर्सी होती है जिसे हाथी पर रखा जाता है और जिस पर बैठ कर लोग सवारी करते हैं.

### बंगाल टाइगर

भारत में बहुत सारे जंगली बाघ हैं, उन्हें बंगाल टाइगर या भारतीय बाघ कहा जाता. लेकिन जितने बाघ आज से सौ वर्ष पहले थे उस से बहुत कम आज भारत में हैं. बाघों की खाल और उनके अंग पाने के लिए शिकारी उनको मार डालते हैं.
बाघ की नारंगी खाल पर काली धारियां होती हैं जिससे असाधारण पैटर्न बनते हैं

जो आदमी के हाथ की अँगुलियों के निशानों की तरह ही अनूठे होते हैं. दूसरी विशाल बिल्लियों के विपरीत बाघ पानी को पसंद करते हैं और वह अच्छे तैराक होते हैं.

## भारतीय कोबरा (नाग)

भारत में पाए जाने वाले कोबरा बड़े और ज़हरीले सांप होते हैं. जब कोई उन पर हमला करता है तो वह अपने ज़हर की फ़ुहार को दूर तक फेंकते हैं. हिन्दू संस्कृति में नागों का बड़ा महत्व है. हर वर्ष अगस्त महीने में नाग-पंचमी का त्यौहार मनाया जाता है जब जंगली नागों को लोग गाँव में दूध पिलाते हैं और नाग की मूर्तियों की पूजा भी की जाती है.

## मोर

मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है. लोग इसे पूजनीय मानते है क्योंकि यह भगवान् कार्तिकेय का वाहन है. यह संसार का सबसे बड़ा उड़ने वाला पक्षी है. अपने नीले, सुनहरी और हरे रंग के सुंदर पंखों के लिए मोर विश्व-प्रसिद्ध है. ऐसे सुंदर पंख सिर्फ नर-मोर के होते हैं जिससे वह मादा-मोर को आकर्षित करता है.

## हनुमान लंगूर

हनुमान लंगूर बंदरों की एक प्रजाति है. हिन्दू उन्हें हनुमान का वंशज मानते हैं और उनका आदर करते है. हनुमान लंगूर हिमालय के पर्वतों से लेकर दक्षिण के नगरों तक सारे देश में पाए जाते हैं, यह आमतौर पर मंदिरों के निकट रहते हैं जहां श्रद्धालु उन्हें खाने के लिए बहुत कुछ देते हैं. लंगूर अच्छे चोर भी होते हैं.

# व्यंजन और मसाले

भारत को मसालों का देश भी कहा जाता है क्योंकि यहाँ कई प्रकार के मसाले मिलते हैं. भारतीय व्यंजनों में उपयोग होने वाले मुख्य पदार्थ और मसाले यह हैं:

## दाल

दाल शब्द सब दालों के लिए, जैसे कि मुँग, मसूर, चना, राजमा के लिये उपयोग किया जाता है. इन से मसालों के साथ एक खिचड़ी नुमा व्यंजन पकाया जाता है जिसे 'दाल' ही कहते हैं. दाल अलग-अलग प्रकार से बनाई जाती है और भारतीय खाने का महत्वपूर्ण भाग होती है.

## घी

घी एक प्रकार मक्खन ही है जो अर्ध-तरल होता है और जिसमें से पानी और दूध के ठोस कण गर्म करने के बाद निकाल लिए जाते हैं. इसका उपयोग तेल की जगह किया जाता है और कई मीठे और स्वादिष्ट व्यंजन घी में बनाये जाते हैं.

## केसर

केसर संसार का सबसे महंगा मसाला है. यह पतले धागों के आकार का होता है जो बैंगनी रंग के फूलों से मिलते हैं. इसके उपयोग से व्यंजन पीले रंग के हो जाते हैं. इसका उपयोग बहुत थोड़ी मात्रा में होता है और कई स्वादिष्ट खानों में मिलाया जाता है. अतिथि सत्कार के रूप में भी केसर का उपयोग होता है.

## हल्दी

यह पीले रंग की होती है और कई तरकारियों में इस्तेमाल की जाती है. इसे शुभ माना जाता है पूजा में इसका उपयोग होता है. विवाह में औरतें इसे अपने हाथों और चेहरे पर लगाती हैं.

## लाल मिर्च

मिर्च जितनी लाल दिखती है उतनी कड़वी होती है. इनके उपयोग से व्यंजन स्वादिष्ट हो जाते हैं. इनका उपयोग दालों और तरकारियों में किया जाता है.

## अदरक

अदरक पौधे की जड़ होता है और इसका स्वाद मिर्ची जैसा होता है. यह महकदार होता है जिसे स्वादिष्ट व्यंजनों में डाला जाता. इसे चाय में डाला जाता है जिससे ज़ुकाम ठीक हो जाता है. इस का उपयोग कई स्नैक्स और ड्रिंक्स में भी होता है.

## आम

आम फलों का राजा है. चमकीले पीले रंग का यह फल बहुत रसीला और मीठा होता है, भारत में कुल्फी बनाने में इसका उपयोग दूध, बादाम और केसर के साथ होता है.

भारत के विषय में दादा जी की कहानियाँ और तपते सूरज और मानसून के वर्षा और तेज़ हवाओं का वर्णन सुनकर रवि बहुत ही मंत्रमुग्ध हुआ. जब उसने दशहरे की शोभायात्रा में भाग लेने वाले हाथियों के विषय में सुना तो रवि की कल्पना उड़ान भरने लगी और दादा जी बातों से प्रेरित होकर उसने हाथी के एक नये नृत्य की रचना की.